* M A I - 2 1 0 1 5 - 5 0 - 4 *

MAI-21015

Seat No. _____

Third Year B. A. (Non CBCS) Examination

February – 2018

Hindi : Paper-X

(Midal Poetry)

(Old Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना :

(१) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(२) सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने दिये गये हैं ।

१ समाज सुधारक के रूप में कबीर का योगदान स्पष्ट कीजिए । १५

अथवा

१ गीतिकाव्य की लाक्षणिकताओं के आधार पर 'विद्यापति की पदावली' का मूल्यांकन कीजिए । १५

२ मीराँबाई की पदावली के आधार पर मीराँ की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

२ टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं **तीन**) १५

(१) कबीर की भाषा

(२) कबीर का रहस्यवाद

(३) विद्यापति का विरह वर्णन

(४) विद्यापति की अलंकार योजना

(५) मीराँबाई की भाषा

(६) मीराँ के कृष्ण

३ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : ३०

(अ) ''कस्तुरी कुंडलि बसै म्रिग ढूँढे बज मांहि ।
अैसे घटि घटि राम है, दुनिया देखे नांहि ।''

अथवा

(अ) ''कहै कबीर सुँनहूं रे लोई मरमि न मूलहि कोई ।
क्या काशी क्या मगहर ऊखर ठ्दै राय जो होई ॥''

(ब) ''चपल चरन, चित चंचल भान ।
जागल मनसिज मृदित नयान ॥
विद्यापति कह सुन बर कान ।
बाला अंग लागल पंचबान ॥''

अथवा

(ब) ''सकल समय नहि रीतु बसन्त ।
सकल पुरूष नहि रोअ गुनमन्त ॥
भनइ विद्यापति सुन बरनारि ।
प्रेमक रीति अब बुझह बिचारि ॥''

(क) ''ऐसी लगन लगाई कहाँ तू जासी ।
तुम देख्या बिन कल न पड़त है, तलदु तलदु जिव जासी ।
तेरे खातिर जोगण हूँगी, करवत लूंगी कासी ।
मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, चरण कँवल की दासी ।''

अथवा

(क) ''असुवाँ जल सींच सींच, प्रेम बेल बूयाँ ।
दध मथ धृत काढ़ लयाँ, डार दया छूयाँ ।
राणा विष रो प्यालो भेज्याँ पीय मगन हूयाँ ।
मीराँ री लग लाग्यां, होणां हो जो हूयाँ ॥''

४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : (कोई **पाँच**) २०

(१) कबीर की उलटबाँसियों की चर्चा कीजिए ।

(२) कबीर के गुरु विषयक विचारों पर प्रकाश डालिए ।

(३) कबीर काव्य में मानवतावाद ।

(४) विद्यापति पदावली में प्रकृति चित्रण ।

(५) विद्यापति के विरह–पदों की मार्मिकता ।

(६) मीराँबाई का रहस्यवाद ।

(७) मीराँबाई की पदावली में चित्रित समाज–दर्शन ।

(८) मीराँ के पदों में विरह तत्त्व ।

५ (अ) निम्नांकित प्रश्नों के **एक–एक** वाक्य में उत्तर दीजिए : १०

(१) कबीर के गुरु का नाम क्या था ?

(२) कबीर की मृत्यु कहाँ हुई थी ?

(३) कबीर की दृष्टि में गुरु क्यों श्रेष्ठ है ?

(४) कबीर ने आत्मा की संज्ञा क्या दी है ?

(५) मिथिला के लोगों में विद्यापति किस उपनाम से विख्यात थे ?

(६) 'विद्यापति की पदावली' पर किस रचना का प्रभाव दिखाई पड़ता है ?

(७) विद्यापति की नायिका को किस ऋतु में अधिक डर लगता है ?

(८) मीराँबाई के आराध्य कौन है ?

(९) मीराँ के पास राणाजी क्या भेजते हैं ?

(१०) मीराँ की भक्ति का प्रधान तत्त्व कौन सा है ?

(ब) सही विकल्प चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए : १०

(१) कबीर _____ संप्रदाय के कवि हैं ।

(निर्गुण, सगुण)

(२) कबीर ने अपने आप को राम का _____ कहा था ।

(हंस, कुत्ता)

(३) कबीर को _____ जाती का माना जाता है ।

(लुहार, जुलाहा)

(४) कबीर की जन्मभूमि का नाम _____ है ।

(काशी, मथुरा)

(५) विद्यापति की प्रथम रचना का नाम _____ है ।

(कीर्तिलता, कामायनी)

(६) विद्यापति मूलतः _____ प्रकार के कवि रहें हैं ।

(वैराग्य भाव के, सौंदर्य भाव के)

(७) विद्यापति के आश्रयदाता का नाम _____ था ।

(राजा लक्ष्मणसिंह, राजा शिवसिंह)

(८) मीराँ _____ को प्रियतम की वाणी उच्चारित न करने के लिए कहती है ।

(पपीहा, कौआ)

(९) मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, दुरजन _____ जा अंगीठी ।

(डूबो, जलो)

(१०) माई म्हारा सुपणे में परण्यां रे _____ ।

(दीनानाथ, लक्ष्मीनाथ)